भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं .1663

10 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: मक्का की खेती

1663. डॉ. बायरेड्डी शबरीः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान मक्का की खेती में लगे किसानों की राज्य-वार और वर्ष-वार कुल संख्या कितनी है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान मक्का की खेती के क्षेत्रफल और उत्पादकता के संबंध में राज्य-वार और वर्ष-वार शीर्ष मक्का उत्पादक क्षेत्र और जिले कौन से हैं;

(ग) मक्का किसानों को वित्तीय सहायता, राजसहायता या अन्य सहायता प्रदान करने वाली केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं कौन सी हैं और वर्ष-वार कितनी राशि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है;

(घ) ऐसी योजनाओं से प्रतिवर्ष लाभान्वित होने वाले किसानों की राज्य-वार और जिला-वार संख्या कितनी है; और

(ङ) मक्का की खेती को बढ़ावा देने, उत्पादकता में सुधार करने और लघु एवं सीमांत किसानों के लिए बाजार पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विस्तार या क्षमता निर्माण कार्यक्रमों सहित क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख): मक्का की खेती से जुड़े किसानों का डेटा केंद्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है। तथापि, नवीनतम कृषि संगणना, वर्ष 2015-16 के अनुसार मक्का की खेती से जुड़े राज्यवार परिचालित जोतों की संख्या **अनुबंध-I** में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, पिछले पांच वर्षों में मक्का की खेती के क्षेत्रफल और उत्पादकता के आधार पर शीर्ष मक्का उत्पादक क्षेत्रों की सूची **अनुबंध-II** में दी गई है।

(ग) से (ङ): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग 28 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रफल विस्तार और उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से चावल, गेहूं, मोटे अनाज (मक्का और जौ), पोषक अनाज (श्रीअन्न) और वाणिज्यिक फसलों (कपास, जूट और गन्ना) का उत्पादन बढ़ाना है।

एनएफएसएनएम-मोटे अनाज (मक्का और जौ) के तहत 2020-21 से 2024-25 तक (केंद्रीय हिस्से) के आवंटित, जारी और व्यय की गई धनराशि का विवरण नीचे दिया गया है:

(रुपए करोड़ में)

वर्ष	आवंटन	जारी	व्यय
2020-21	72.03	50.48	43.95
2021-22	66.21	23.55	28.90
2022-23	44.57	19.51	18.06
2023-24	68.68	39.32	28.76
2024-25	92.57	73.48	61.70

एनएफएसएनएम- मोटे अनाज (मक्का और जौ) योजना के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से किसानों को फसल उत्पादन एवं संरक्षण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन, प्रमाणित बीजों के वितरण, एकीकृत पोषक तत्व एवं कीट प्रबंधन उपायों, फसल प्रणाली आधारित प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण आदि के लिए सहायता प्रदान की जा रही है।

सरकार किसानों को मक्का की खेती के लिए प्रोत्साहित करने और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने हेतु वर्षों से मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित करती आ रही है। वर्ष 2025-26 में मक्का का एमएसपी बढ़ाकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.8% अधिक है। राज्य सरकारें केंद्रीय क्षेत्र योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम) के माध्यम से मक्का किसानों की सहायता कर रही हैं ताकि मक्का व्यापार को सुगम बनाया जा सके और विनियमित बाजार समितियों (आरएमसी) में बेहतर मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित किया जा सके।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय देश में मक्का आधारित मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण समूहों और बाजार संपर्कों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों (पीमफमई) के औपचारिककरण और प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीमकेऍसवाई) जैसी योजनाओं को लागू कर रहा है। मंत्रालय संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुसार मक्का आधारित प्रसंस्करण इकाइयों सहित विभिन्न प्रकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए इच्छुक उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इसके अलावा, मक्का के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार के लिए आईसीएआर -भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), लुधियाना की तीन परियोजनाओं और अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र (सीआईएमएमवाईटी) की एक परियोजना को एनएफएसएम के तहत अनुमोदित किया गया है। साथ ही, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसंधान (आईसीएआर) प्रयासों से मक्का की उच्च उपज देने वाली और तनाव सहिष्णु किस्मों/संकरों का विकास करके जारी किया गया है।

इसके अलावा, मक्का पर आईसीएआर-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के विभिन्न केंद्र भी विभिन्न राज्यों में मक्का के अनुसंधान एवं विकास में लगे हुए हैं और मक्का उत्पादन में सुधार के लिए स्थान-विशिष्ट उच्च उपज देने वाली जलवायु-प्रतिरोधी किस्मों/संकरों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। जहां तक मक्का की खेती को बढ़ावा देने, उत्पादकता में सुधार करने और विस्तार एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए किए गए उपयो का संबंध है, यह वर्ष 2014-25 के दौरान, केंद्रीय किस्म रिलीज समिति द्वारा देश के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी क्षेत्रों में किसानों के खेतों में खेती के लिए कुल 315 मक्का किस्मों/संकरों को जारी किया गया है।

अनुबंध ।

लोकसभा के दिनांक 10.02.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1663 "मक्का की खेती" के भाग (क) में संदर्भित उत्तर से संबंधित अनुबंध।

राज्यवार मक्का की खेती से जुड़ी जोतों की संख्या		
क्रं. सं.	**राज्य का नाम**	**2015-16**
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	2
2	आंध्र प्रदेश	3,20,522
3	अरुणाचल प्रदेश	87,814
4	असम	68,474
5	बिहार	43,17,309
6	चंडीगढ़	70
7	छत्तीसगढ़	3,32,217
8	दादर एवं नागर हवेली	5
9	दमन एवं दीव	-
10	दिल्ली	414
11	गोवा	-
12	गुजरात	3,05,931
13	हरियाणा	17,973
14	हिमाचल प्रदेश	6,50,011
15	जम्मू और कश्मीर	5,27,215
16	झारखंड	7,67,875
17	कर्नाटक	12,91,432
18	केरल	3,021
19	लक्षद्वीप	-
20	मध्य प्रदेश	14,78,284
21	महाराष्ट्र	10,66,819
22	मणिपुर	29,851
23	मेघालय	1,06,445
24	मिजोरम	13,555
25	नगालैंड	1,17,525
26	ओडिशा	4,05,415
27	पुदुचेरी	-
28	पंजाब	1,20,888
29	राजस्थान	15,05,234
30	सिक्किम	53,677
31	तमिलनाडु	6,28,958
32	तेलंगाना	8,17,667
33	त्रिपुरा	11,309
34	उत्तर प्रदेश	13,69,224
35	उत्तराखंड	2,92,318
36	पश्चिम बंगाल	2,22,812
अखिल भारत		1,69,30,266
स्रोत: कृषि संगणना, *2015-16* के अनुसार		

अनुबंध II

लोकसभा के दिनांक **10.02.2026** को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या **1663** "मक्का की खेती" के भाग (ख) में संदर्भित उत्तर से संबंधित अनुबंध।

पिछले पांच वर्षों में मक्का की खेती में अग्रणी राज्य (क्षेत्रफल और उत्पादकता के संदर्भ में)

क्रं. सं.	**राज्य**	**क्षेत्रफल (हजार हेक्टेयर में)**	**राज्य**	**उत्पादकता/उपज (कि.ग्रा./हेक्टेयर)**
		2020-21		
1	कर्नाटक	1,726	तेलंगाना	6,782
2	मध्य प्रदेश	1,405	पश्चिम बंगाल	6,752
3	महाराष्ट्र	1,182	तमिलनाडु	6,408
4	राजस्थान	993	आंध्र प्रदेश	5,917
5	उत्तर प्रदेश	773	दिल्ली	5,091
		2021-22		
1	कर्नाटक	1,592	तमिलनाडु	7,066
2	मध्य प्रदेश	1,400	पश्चिम बंगाल	6,989
3	महाराष्ट्र	1,251	आंध्र प्रदेश	5,553
4	राजस्थान	952	तेलंगाना	5,403
5	उत्तर प्रदेश	747	दिल्ली	5,100
		2022-23		
1	कर्नाटक	1,912	आंध्र प्रदेश	7,138
2	मध्य प्रदेश	1,448	तमिलनाडु	7,007
3	महाराष्ट्र	1,345	पश्चिम बंगाल	6,285
4	राजस्थान	957	बिहार	5,854
5	उत्तर प्रदेश	891	तेलंगाना	5,557
		2023-24		
1	कर्नाटक	1,972	पश्चिम बंगाल	6,633
2	मध्य प्रदेश	1,543	तमिलनाडु	6,239
3	महाराष्ट्र	1,326	आंध्र प्रदेश	6,225
4	उत्तर प्रदेश	1,104	बिहार	5,975
5	बिहार	956	तेलंगाना	5,671
		2024-25		
1	मध्य प्रदेश	2,303	पश्चिम बंगाल	6,999
2	कर्नाटक	1,914	आंध्र प्रदेश	6,510
3	महाराष्ट्र	1,625	बिहार	6,101
4	राजस्थान	1,007	तेलंगाना	5,860
5	बिहार	896	तमिलनाडु	5,487

स्रोत: डीए एंड एफडब्ल्यू

*****